

बी.ए. प्रथम वर्ष
तृतीय प्रश्न-पत्र
(मनोविज्ञान) प्रायोगिकी

क्रेडिट-- 02

पूर्णांक:- 100

अंक वितरण:-

- | | |
|---|-----|
| 01. परीक्षा भवन में एक प्रयोग लेखन | -20 |
| 02. परीक्षा भवन में एक परीक्षण लेखन | -20 |
| 03. प्रायोगिक कापी | -20 |
| 04. मौखिक परीक्षा | -20 |
| 05. जीवन वृत्तांत विधि (परियोजना कार्य) | -20 |

प्रयोग कोई-चार

01. प्रत्यक्षीकरण पर मानसिक तत्परता का प्रभाव
02. प्रत्यक्षीकरण में कुंठा की भूमिका
03. ध्यान विभाजन
04. क्रमिक सीखना विधि
05. पृष्ठोन्मुख अवरोध
06. अल्पकालीन स्मृति
07. सम्प्रत्यय निर्माण
08. सुखाकृति परिवर्तन देखकर संवेग की पहचान

परीक्षण कोई-चार

01. शाब्दिक/अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
02. व्यक्तित्व परीक्षण
03. चिंता परीक्षण
04. विषाद परीक्षण
05. समायोजन परीक्षण
06. उपलब्धि अभिप्रेरणा
07. तनाव-सहनशीलता परीक्षण

अध्याय 13 : समाज मनोविज्ञान

परिचय, सामाजिक मनोविज्ञान का अर्थ एवं परिभाषाएँ, सामाजिक मनोविज्ञान की प्रकृति, सामाजिक मनोविज्ञान का क्षेत्र, व्यक्ति को समझने में सहायक, माता-पिता की दृष्टि में महत्व, शिक्षकों के लिए महत्व, समाज सुधारकों एवं प्रशासकों के लिए, विज्ञापन एवं प्रचार की दृष्टि से महत्व, सम्पूर्ण राष्ट्र की दृष्टि से महत्व, सारांश, अभ्यास-प्रश्न

क्रेडिट- 02	बी.ए. द्वितीय वर्ष तृतीय प्रश्न-पत्र (मनोविज्ञान) प्रायोगिकी	पूर्णांक:- 100
अंक वितरण:-		
01.	परीक्षा भवन में एक प्रयोग लेखन	-20
02.	परीक्षा भवन में एक परीक्षण लेखन	-20
03.	प्रायोगिक कापी	-20
04.	मौखिक परीक्षा	-20
05.	परियोजना कार्य	-20
प्रयोग कोई- चार		
01.	सामाजिक शहरीकरण	
02.	समाजमिति	
03.	रूढ़ियुक्त	
04.	व्यक्ति प्रत्यक्षीकरण पर सूचना क्रम का प्रभाव	
05.	निष्पादन पर नेतृत्व प्रभाव	
06.	सूचना दाता की महत्ता का प्रभाव	
07.	मनोवृत्ति-परिवर्तन में संज्ञान की भूमिका	
08.	मत-परिवर्तन में समूह निर्णय का प्रभाव	
परीक्षण कोई-चार		
01.	आक्रामकता	
02.	वचन	
03.	आत्म-प्रत्यय	
04.	निर्भरता मापना	
05.	मूल्य	
06.	व्यवसायिक रूचि	
07.	मनोवृत्ति परिवर्तन	
08.	रचनात्मकता	

परियोजना कार्य-अस्पताल, उद्योग, संगठन, शैक्षिक संस्था इत्यादि का मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन और वस्तुनिष्ठ प्रतिवेदन तैयार करना।